



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 168]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 29, 2007/आषाढ़ 8, 1929

No. 168]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 29, 2007/ASADHA 8, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाभिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 2007

अंतिम जांच परिणाम

(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच

सं. 15/18/2005(डीजीएडी).—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदप्रश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1975 (जिसे बाद में नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि

2. चूंकि उपर्युक्त नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे बाद में प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 5-2-2002 की अधिसूचना सं 9/1/2001-डीजीएडी द्वारा अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किया जिसमें चीन जन. गण. मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल (जिसे बाद में संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। प्रारंभिक जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 3-5-2001 की अधिसूचना सं. 9/1/2001-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किया था। प्राधिकारी का अंतिम जांच परिणाम निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 5-2-2002 की अधिसूचना सं. 9/1/2001-डीजीएडी द्वारा अधिसूचित किया गया था और संबद्ध वस्तुओं पर अंतिम शुल्क दिनांक 27-3-2002 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 30/2002-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था।

3. कथित अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को मै. आरती ड्रग्स लि., मुंबई से एक महत्वपूर्ण आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें संबद्ध वस्तुओं पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने तथा उसे इस आधार पर अगले 5 वर्ष तक जारी रखने का अनुरोध किया गया था कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद पाटन जारी था तथा संबद्ध देश से पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होती रही। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 30-6-2006 की

सार्वजनिक सूचना सं. 15/18/2005-डीजीएडी जारी की जिसमें यह जांच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क को हटाने से पाटन, क्षति जारी, उसकी पुनरावृत्ति अथवा दोनों होगी, पाटन रोधी (निर्णायक समीक्षा) शुरू की ।

ख. प्रक्रिया

4. इस कार्रवाई में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :-

- (i) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रारंभिक अधिसूचना के साथ प्रश्नावली भेजी ।
- (ii) भारत में घरेलू उद्योग को नोटिस भी भेजा गया था जिसमें नियमावली के अनुसार संगत सूचना मांगी गयी थी ।
- (iii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास की जांच शुरूआत के संबंध में इस अनुरोध के साथ सूचना दी गई थी कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्दिष्ट समय के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह दे ।
- (iv) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।
- (v) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से संबद्ध वस्तुओं के पिछले तीन वर्षों की एवं जांच अवधि के लिए आयातों के बौरे की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध किया गया था ।
- (vi) प्रारंभिक अधिसूचना की प्रतियों को व्यापक प्रचार के लिए फिक्की, सीआईआई और एसोचैम को भी भेजा गया था ।
- (vii) किसी निर्यातक/उत्पादक और आयातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया ।
- (viii) घरेलू उद्योग होने के नाते मै. आरती ड्रग्स लि. ने सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए ।
- (ix) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर हुई क्षति, इष्टतम उत्पादन लागत और भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने और इनकी बिक्री की अधिकतम संभावना तक जांच की ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा ।

- (x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई के लिए दिनांक 29.5.07 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए दृष्टिकोण को लिखित रूप में देने का अनुरोध किया गया। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपनी जांच परिणाम में हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त लिखित निवेदन पर विचार किया गया है।
- (xi) प्राधिकारी ने अनुरोध करने पर जांच के लिए, सभी हितबद्ध पक्षकारों को एक सार्वजनिक फाइल उपलब्ध करायी जिसमें विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सभी साक्षों के अगोपनीय अंश सम्मिलित हैं।
- (xii) प्रारंभिक अधिसूचना के उत्तर में एवं उसके बाद की सार्वजनिक सुनवाई में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त तर्क पर संबद्ध पैरा में उस सीमा तक विचार किया जाता है जहां तक ये नियमावली के अनुसार प्रासंगिक हैं तथा इसका मामले पर प्रभाव है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्क की जांच की गई हैं, उन पर विचार किया गया है और जहां भी उपयुक्त हो, उसका प्रासंगिक पैरा में उल्लेख किया गया है।
- (xiii) जांच 1 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च, 2006 तक की अवधि (पीओआई) के लिए की गई थी। तथापि, क्षति विश्लेषण वर्ष 2002-03, 2003-04, 2004-05 और जांच अवधि के लिए ज्ञात किया गया है।
- (xiv) इस अधिसूचना में ***** गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत और प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के तहत विचार की गई सूचना को दर्शाता है।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु:

5. प्रारंभिक जांच में शामिल वस्तु 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल है। इसे निर्णायक समीक्षा होने के नाते जांच में प्रारंभिक जांच में शामिल वस्तु शामिल है।

6. 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल जिसे 2 एमएनआई के रूप में भी जाना जाता है, एक क्रीम रंग का पाउडर है जिसका उपयोग मेट्रोनीडाजोल, टीनीडाजोल, डीमेट्रीडाजोल, औरनीडाजोल, सेनीडाजोल के उत्पादन में दवा अन्तर्वर्ती के रूप में होता है।

7. यह उत्पाद भारतीय व्यापार वर्गीकरण के अनुसार सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 2933.39 के तहत और 2933.3909 में वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क और आईटीसीएचएस

वर्गीकरण मात्रा संकेतात्मक है और यह किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

8. घरेलू उद्योग 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल का भी उत्पादन करता है जिसके समान गुण एवं विशेषताएं हैं। विचाराधीन उत्पाद अथवा समान वस्तु के मुद्दे पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है और इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किए जा रहे उत्पाद एवं संबद्ध देशों से विनिर्मित एवं निर्यात किए जा रहे उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के 2(घ) के अनुसार समान वस्तु हैं।

(घ) घरेलू उद्योग

(9) इस मामले में, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का आयात किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात का हिस्सा भारत में कुल आयात का पर्याप्त है। यह तर्क दिया गया है कि आयात शुल्क मुक्त योजना के अंतर्गत किया गया था और इसने देश के व्यापार में प्रवेश नहीं किया इसलिए आवेदक को घरेलू उद्योग के क्षेत्र से अलग नहीं किया जा सकता है।

10. इस मुद्दे की पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 4.1 (i) के अनुसार जांच की जाएगी। पाटनरोधी करार के अनुसार "जब उत्पादक निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित है अथवा वे स्वयं कथित पाटित उत्पादन के आयातक हैं, तो घरेलू उद्योग शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों के लिए उल्लेखित किया जा सकता है"। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग का तात्पर्य ऐसे घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण में और उससे जुड़े कार्यकलापों में पूर्ण रूप से कार्यरत हैं या जिनका उक्त वस्तु का संचयी उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख भाग है बशर्ते कि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयतों से संबंधित न हों या वे स्वयं उसका आयात न कर रहे हों, ऐसे मामले में इस प्रकार के उत्पादकों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जाएगा।"

11. इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै.आरती ड्रग्स लि., मुंबई ने शुल्क मुक्त योजना के तहत संबद्ध वस्तुओं का आयात किया था जिसका हिस्सा भारत के कुल आयात का लगभग 32% बनता है। शुल्क मुक्त योजना के तहत आयातित वस्तुओं को अंतिम उत्पाद में आयातित इनपुटों के प्रयोग के बाद आवश्यक रूप से निर्यात किया जाना होता है तथा इसके मूल्य का प्रभाव व्यापारिक बाजार में बहुत ही सीमित होना चाहिए। इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि शुल्क मुक्त योजना के तहत किए गए आयात उत्पादक को घरेलू उद्योग मानने से अयोग्य नहीं बनाएगा।

12. प्रारंभिक जांच में घरेलू उद्योग की ओर से मै.आरती ड्रग्स लि., मुंबई और मै. यूनीचेम लेबोरेट्रीज लि. मुंबई द्वारा पाटनरोधी जांच के लिए आवेदन पत्र दिया गया था। वर्तमान निर्णायक समीक्षा में मै. आरती ड्रग्स लि., मुंबई द्वारा सूचना/आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं।

समीक्षा शुरू करना तथा उठाए गए तर्क

आवेदक घरेलू उद्योग के तर्कः

13. घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल पर पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से पाटन जारी रहा। पाटनरोधी शुल्क लगे रहने के बावजूद आयात की मात्रा एवं कीमत का स्तर जिस पर सामान भारत में निर्यात किए गए हैं, को देखते हुए, यह संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क हटाने की स्थिति में आयात की मात्रा में और अधिक वृद्धि होगी। आगे यह भी तर्क दिया गया है कि संबद्ध देश पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को निष्पादन सुधारने में सहायता मिलती, तथापि घरेलू उद्योग उस सीमा तक जहां तक इसे करना चाहिए, सुधारने में सफल नहीं रहा है और इसलिए लागू शुल्क को हटा लेने की स्थिति में पाटन और क्षति की काफी संभावना है। निष्पादन की वर्तमान स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन को बनाए रखने तथा बढ़ाने एवं अपने बिक्री मात्रा और क्षमता उपयोग को बनाए रखने का तर्क दिया। मांग और उत्पादन में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिससे संपत्ति सूची में वृद्धि हुई है। शुल्क लगाने के बाद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग ने वर्षों के काफी घाटे की तुलना में वर्ष 2004-05 में मार्जिनल लाभ कमाना शुरू कर दिया लेकिन पुनः जांच अवधि में गिरावट आई। आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की शुद्ध बिक्री प्रक्रिया से काफी कम है। आयातों से घरेलू उद्योग की काफी सीमा तक कीमतों में कटौती हो रही है और यदि वर्तमान शुल्क को हटाया जाता है तो कीमत कटौती की मात्रा में और वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रतिकूल था तथा यह संभावना है कि पाटनरोधी पैमाने को हटाने पर घरेलू उद्योग की क्षति में वृद्धि होगी। यह भी निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग की समझदारी के अनुसार विचाराधीन उत्पाद की चीन में उत्पादन क्षमता उसकी घरेलू मांग से अधिक है। यदि वर्तमान पैमाने को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है तो यह भय है कि अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता का महत्वपूर्ण भाग का उपयोग भारतीय बाजार में किया जाएगा।

प्राधिकारी द्वारा जांचः

14. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को जारी क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क को नोट करते हैं। घरेलू उद्योग की क्षति, जिसे पाटन होने का भय तथा घरेलू उद्योग की क्षति का विश्लेषण करते समय इन तर्कों पर विचार किया गया है।

(ङ) पाटन मार्जिन निकालने की विधि:

पाटन निर्धारण: सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर की जांच:

15. सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी इस परिकल्पना के साथ बढ़ा कि कोई भी देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा किसी डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच के पहले तीन वर्षों की अवधि के दौरान पाटनरोधी जांच के उद्देश्य से गैर बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारित की गई हो अथवा मानी गई है, एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है। पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को ईयू और यूएसए जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्य द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना गया है। वर्तमान मामले में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में जांच करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।

16. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1, पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना को छोड़ा जा सकता है, यदि चीन के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विशिष्ट मानदंड के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराता है और इसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखितानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य देना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानकों पर विचार करने में समर्थ हो कि क्या :-

(क) चीन जन.गण. में कीमत लागत तथा इनपुट्स, कच्ची सामग्री सहित, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश संबंधी संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति और मांग प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेत के उत्तर में तथा इस संबंध में बिना राज्य के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बिना है और क्या प्रमुख इनपुट्स की लागत महत्वपूर्ण ढंग से बाजार मूल्य को प्रदर्शित करती है।

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागत एवं वित्तीय स्थिति गैर बाजार प्रणाली से हुई काफी विकृति और विशेषकर परिसंपत्तियों का हास, अन्य बहु खाते में डालना, विनिमय व्यापार और ऋणों के मुआवजे के माध्यम से भुगतान के अध्यधीन है।

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन और संपत्ति कानून जो फर्म के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देती है, के अध्यधीन है और

(घ) विनिमय दर को बाजार दर पर बढ़ाया जाता है।

17. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी। किसी निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक का और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया। इसलिए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना अखंडित रही और इसलिए प्राधिकारी चीन जन.गण. के निर्यातक/उत्पादक को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के प्रचालन के रूप में मान रहे हैं।

18. उपर्युक्त की दृष्टि से, प्राधिकारी चीन के निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध-1 के पैरा 1 से 6 में दिए गए सिद्धांतों का उपयोग करने में असमर्थ है। इसलिए चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 में उल्लिखित गैर बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमावली के अनुसार किया जाता है।

19. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 17 के अनुसार प्राधिकारी को सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था की कीमत अथवा निर्मित मूल्य अथवा भारत सहित ऐसे तीसरे देश से दूसरे देशों की कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है अथवा समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप में अदा अथवा अदा की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर करना अपेक्षित है। तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था में सामान्य मूल्य के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा कोई आंकड़ा अथवा सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। इस मामले में निर्यातकों/उत्पादकों ने भी उत्तर नहीं दिया है। इसलिए किसी अन्य विकल्प की अनुपस्थिति में प्राधिकारी ने किसी अन्य उचित आधार की विधि को अपनाकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

छ 1 चीन के गैर सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

20. इस परिस्थिति में, प्राधिकारी ने 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमीडाजोल के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री के सामान्य मूल्य का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय कीमत, घरेलू उद्योग की क्षमता मानक एवं उचित लाभ पर विचार करने के बाद की है। उपर्युक्त उपलब्ध सूचना के आधार पर, जांच अवधि के दौरान 1 अम.डा.= 44.41 रु. के औसत विनिमय दर पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य *****/किग्रा. अम.डा. निकाला गया है।

छ 2 चीन के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

21. घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि निर्यात कीमत का निर्धारण सौदा जहां आयातों के पहुंच मूल्य बेंचमार्क से ज्यादा है को हटाने के बाद किया जाना आवश्यक है। वैसी स्थिति में जब निर्यात कीमत अव्यवहारिक प्रतीत होता है, नियमावली में निर्यात कीमत लगाने की अनुमति है। असहयोगी निर्यातक की स्थिति में, प्राधिकारी ने रिपोर्ट की गई न्यूनतम कीमत लेने की प्रथा अपनाई है। ऐसा मामला होने की स्थिति में, वर्तमान मामले में जब जांच अवधि के दौरान 63% आयात न्यूनतम कीमत पर रिपोर्ट की गयी है, केवल इन आयातों को निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए विचार करना उपयुक्त होगा।

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क मुक्त योजना के अंतर्गत स्वयं घरेलू उद्योग द्वारा काफी आयात किया गया है और यह भी सूचित किया गया है कि ये कीमतें संदर्भित कीमत से कम थीं। घरेलू उद्योग का यह तर्क कि निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए केवल शुल्क मुक्त योजना के तहत आयात को अथवा संदर्भित मूल्य से नीचे हुए आयात को लेना चाहिए, स्वीकार्य नहीं है क्योंकि यह साक्ष्य उपलब्ध नहीं है कि दूसरे आयात सौदे विश्वसनीय नहीं हैं। इसलिए प्राधिकारी ने आयात कीमत का निर्धारण सभी महत्वपूर्ण सौदों के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

23. निर्यात कीमत का निर्धारण आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध कराए गए व्यापार वार ब्यौरे के आधार पर किया गया है। जांच अवधि के दौरान भारित औसत निर्यात कीमत का सीआईएफ मूल्य *****/किग्रा. (यू.एस.*****/किग्रा. डॉलर) था। अंतर्देशी भाड़े को ***** अमरीकी डॉलर, महासागर भाड़े को ***** डॉलर एवं समुद्री बीमा को ***** डॉलर लेने पर समायोजन करने के बाद पूर्व कारखाना निर्यात कीमत ***** अमरीकी डॉलर निर्धारित की गई है (जांच अवधि के दौरान 1अम.डॉलर = 44.41)।

उ 3 पाटन मार्जिन

24. ऊपर निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया :

पाटन मार्जिन

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य अम.डॉ./किग्रा.	निर्यात कीमत अम.डॉ./किग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डॉ./किग्रा.
चीन जन.गण के सभी निर्यातक	***	***	*** (31.90%)

च. क्षति निर्धारण की विधि एवं कारणात्मक संबंध की जांच

क्षति का निर्धारण

क्षति जारी रहना:

च.1 घरेलू उद्योग का तर्क

घरेलू उद्योग के तर्क नीचे संक्षेप में दिए गए हैं :-

25. पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को अपना निष्पादन सुधारने में सहायता मिली है। शुल्क लगाने के बाद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ और घरेलू उद्योग ने

पहले काफी घाटे की तुलना में मार्जिनल लाभ कमाना शुरू कर दिया । आर ओ आई एवं नकद लाभ ने भी लाभ की समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया । दूसरी ओर मांग और उत्पादन में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिसके फलस्वरूप भंडार सूची में वृद्धि हुई है और क्षमता उपयोग भी कमोबेश समान रहा है । इसके अलावा, उत्पादन में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट हुई । आयातों की पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की शुद्ध बिक्री प्राप्ति से काफी कम है । इस प्रकार यह स्पष्ट है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से उद्योग को निष्पादन सुधारने में कुछ हद तक सहायता मिली है; लेकिन डीआई की स्थिति अभी भी जीर्ण-क्षीर्ण है क्योंकि इसमें केवल सुधार होना शुरू हुआ है और इसकी सकारात्मक वृद्धि को नियन्त्रित करने के लिए और बद्याव की आवश्यकता है । वर्तमान में लागू शुल्क को हटाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को फिर से क्षति होने की संभावना है । किसी पैमाने को निरस्त करने के फलस्वरूप चीन से संभावित आयात की मात्रा और कीमत घरेलू उद्योग को और जोखिम में डाल देगी ।

च .2 प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में उठाए गए विभिन्न तर्कों को ध्यान में रखा है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लागू है । चीन जन.गण. के संबंध में अपने अंतिम निर्धारण में प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि संबद्ध देश से आयात पाटित कीमत पर हुआ था । इसलिए, क्षति और कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के उद्देश्य से, संबद्ध देश से हुआ आयात को पाटित माना गया है ।

27. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा घरेलू बाजार में समान उत्पादों की कीमत पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों की मात्रा प्रभाव के संबंध में, घरेलू उत्पादकों के ऐसे उत्पादों पर इन आयातों का तदनुरूपी प्रभाव, दोनों उद्देश्यों की जांच की व्यवस्था है । प्राधिकारी को यह जांच करनी अपेक्षित है कि क्या आयात या तो पूर्ण रूप से अथवा उत्पादन के संबंध में अथवा आयातक सदस्य की खपत में काफी वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों में काफी कीमत कटौती हुई है, में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों में काफी कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी हद तक घटाना है अथवा कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती, को रोकना है ।

28. क्षति के निर्धारण के लिए विश्लेषण के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच की है और पाटन और क्षति यदि कोई हो के बीच क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच के लिए कीमत एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ।

(क) मात्रा प्रभाव : पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव एवं घरेलू उद्योग पर प्रभाव :

संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है :

(i) आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा:

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
बाजार हिस्सा					
आयात में					
आईबीआईएस के अनुसार आयात					
चीन	एमटी	61	16	206	350
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	26	340	574
अन्य देश	एमटी	0	0	0	0
कुल आयात	एमटी	61	16	206	350
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	26	340	574
आयात में बाजार हिस्सा					
चीन	%	100	100	100	100
अन्य देश	%	0	0	0	0
कुल आयात		100	100	100	100

29. डीजीआईसीएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से यह प्रदर्शित नहीं होता है कि जांच अवधि एवं पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 29333990 के अंतर्गत 2 एमएनआई का कोई आयात हुआ है।

30. अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय सूचना सेवा (आईबीआईएस) द्वारा उपलब्ध कराए गए आयातों के सौदेवार ब्यौरे से यह प्रदर्शित होता है कि जांच अवधि एवं पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान आयात प्रभावित हुआ है। यह प्रतीत होता है कि डीजीसीआईएंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में संबंधित सीमाशुल्क शीर्ष के तहत आयात कारोबार को नहीं लिया गया है। इसलिए आंकड़ों से किसी आयात का प्रदर्शन नहीं होता है। इस जांच में आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार आंकड़ों पर विश्लेषण के लिए विश्वास किया गया है। आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से यह प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि में संबद्ध देश से आयात में 474% की वृद्धि हुई। दूसरे देशों से आयात नहीं हुआ है। जांच अवधि के दौरान चीन के आयात का कुल आयात में 100% हिस्सा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग ने आयात को प्रभावित किया है। जांच अवधि के दौरान मै. आरती झग्स लि. के आयात का हिस्सा कुल आयात में लगभग 32% है। वर्ष 2004-05 में यह हिस्सा कुल आयात का लगभग 52% है। वर्ष 2002-03

में घरेलू उद्योग ने 5 मी.टन संबद्ध वस्तु का आयात किया। घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं का आयात निर्यात के उद्देश्य से शुल्क मुक्त योजना के तहत किया है।

(ii) मांग, उत्पादन और बाजार हिस्सा

(क) घरेलू उद्योग का उत्पादन

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
क्षमता	एमटी	1786	1960	1960	2160
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	110	121
क्षमता, उपयोगिता	%	86.20	61.33	77.16	82.27
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	90	95
आउटपुट					
उत्पादन	एमटी	1540	1202	1512	1777
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	78	98	115

31. आंकड़े यह प्रदर्शित करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता में आधार वर्ष की तुलना में 2003-04, 2004-05 में 10% और जांच अवधि के दौरान 21% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के उत्पादन में 2003-04 में गिरावट हुई और 2004-05 और जांच अवधि में वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन में 15% की वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में (वृद्धि के बाद) 95% की गिरावट हुई।

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्रियां

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
बिक्री में स्वाभावित एवं संभावित कमी					
बिक्री-घरेलू	एमटी	111	35	89	68
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	31	80	61
बिक्री-निर्यात	एमटी	40	0	0	0
कुल बिक्री	एमटी	151	35	89	68
कैप्टिव खपत	एमटी	1309	1249	1570	1693
कैप्टिव सहित बिक्रियां	एमटी	1420	1284	1659	176
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	117	124

32. आंकड़े यह प्रदर्शित करते हैं कि कंपनी मुख्यतः कैप्टिव खपत के लिए उत्पादन का उपयोग कर रही है। वर्ष 2002-03, 2003-04, 2004-05 और जांच अवधि में कैप्टिव खपत उत्पादन का क्रमशः 85.03%, 103.93%, 103.79%, और 95.25% था। इसी अवधि के दौरान व्यापार बिक्रियां उत्पादन का 7.22%, 2.87%, 5.90% और 3.83% था। आंकड़ों से घरेलू बिक्री (कैप्टिव खपत सहित) की बढ़ी हुई प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। आंकड़े यह भी प्रदर्शित करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कैप्टिव खपत में 29% की वृद्धि हुई। दूसरे उत्पादकों के आंकड़े (घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए

गए) यह प्रदर्शित करते हैं कि दूसरे उत्पादक प्रमुख रूप से कैटिव खपत के लिए उत्पाद का प्रयोग कर रहे हैं। वर्ष 2003-04 में, दूसरे उत्पादकों की पण्य बिक्रियां केवल 4 मी.टन थीं जबकि वर्ष 2004-05 और जांच अवधि में कोई पण्य बिक्रियां नहीं हुईं।

(ग) मांग और बाजार हिस्से (मांग की गणना में घरेलू उद्योग के आयात को भी शामिल किया गया है)

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
मांग		2072	1853	2414	2595
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	116	125
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
डी आई की कैटिव खपत	एमटी	***	***	***	***
कैटिव खपत सहित अन्य उत्पादकों की बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
कुल आयात	एमटी	61	16	206	350
मांग में बाजार हिस्सा					
चीन	%	3	1	9	13
अन्य देश	%	0.00	0.00	0.00	0.00
घरेलू उद्योग (पण्य बिक्रियां)	%	***	***	***	***
घरेलू उद्योग (कैटिव खपत सहित बिक्रियां)	%	***	***	***	***
कैटिव खपत सहित अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***

घ) मांग और बाजार हिस्सा (मांग की गणना में घरेलू उद्योग के आयात को छोड़ दिया गया है)

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
मांग		2067	1853	2306	2483
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	112	120
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
डी आई की कैटिव खपत	एमटी	***	***	***	***
कैटिव खपत सहित अन्य उत्पादकों की बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
कुल आयात	एमटी	56	16	98	238
मांग में बाजार हिस्सा					
चीन	%	3	1	4	10
अन्य देश	%	0.00	0.00	0.00	0.00
घरेलू उद्योग (पण्य बिक्रियां)	%	***	***	***	***
घरेलू उद्योग (कैटिव खपत सहित बिक्रियां)	%	***	***	***	***
कैटिव खपत सहित अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***

33. मांग का निर्धारण घरेलू बिक्री, कैप्टिव खपत और सभी आयातों को लेकर किया गया है। आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में 25% की वृद्धि हुई। संबद्ध देश का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 3% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 13% हो गया। घरेलू उद्योग का कैप्टिव खपत सहित बिक्री का हिस्सा आधार वर्ष में 69% से घटकर जांच अवधि के दौरान 68% हो गया। जांच अवधि के दौरान अन्य उत्पादकों का हिस्सा भी 29% से घटकर 19% हो गया। वर्ष 2002-03 में घरेलू उद्योग का हिस्सा (पण्य बिक्री) 5% था और जांच अवधि के दौरान घटकर 3% हो गया।

34. मांग की गणना घरेलू बिक्री, कैप्टिव खपत और शुल्क मुक्त योजना के तहत घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात को छोड़कर की गई है। आंकड़े यह प्रदर्शित करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में 20% की वृद्धि हुई। संबद्ध देश का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 3% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 10% हो गया। घरेलू उद्योग की कैप्टिव खपत सहित बिक्री का हिस्सा आधार वर्ष में 69% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 71% हो गया। तथापि, जांच अवधि के दौरान अन्य उत्पादकों का हिस्सा 29% से घटकर 19% हो गया। घरेलू उद्योग का हिस्सा (पण्य बिक्री) 2002-03 में 5% था और जांच अवधि के दौरान घटकर 3% हो गया।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का मूल्य प्रभाव

35. संबद्ध देश से पाठित आयात के कारण घरेलू उद्योग के कीमत के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम मूल्य पर बिक्री, मूल्य, कीमत प्रतिस्थापन और मूल्यहास यदि कोई हो के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्तियां (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग के कॉस्टिंग सूचना के आधार पर) की तुलना संबद्ध देश के आयात पहुंच मूल्य से की गई है। आयात के पहुंच मूल्य की गणना आयात से घरेलू उद्योग द्वारा शुल्क मुक्त योजना के तहत किए गए आयात को छोड़कर किया गया है क्योंकि शुल्क मुक्त योजना के तहत किया गया आयात बाजार में उपलब्ध नहीं था और इसका बाजार कीमत पर प्रभाव नहीं पड़ा है।

(क) कीमत कटौती

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
कीमत कटौती/कीमत प्रतिस्थापन					
नियंत कीमत	रु./किग्रा.	136.40	144.12	136.35	167.16
पहुंच मूल्य-चीन	रु./किग्रा.	177.73	194.39	165.95	192.49
निवल बिक्री प्राप्तियां	रु./किग्रा.	***	***	***	***

उत्पादन लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती (रेंज)	%				-(5-15)

(ख) कम कीमत पर बिक्री:

(मूल्य रु./किग्रा.)

निवल बिक्री प्राप्ति	***
क्षति रहित कीमत	***
पहुंच मूल्य	192.49
कम कीमत पर बिक्री	***
कम कीमत पर बिक्री (%)	***
कम कीमत पर बिक्री की रेंज	5% से कम

36. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के संबंध में पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री की तुलना की गई। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के संबंध में संबद्ध देश से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम था।

37. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के निर्धारण में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए रिवेटों, छूटों एवं कमीशन तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का समायोजन कर लिया गया है।

38. उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा संबद्ध देश से पहुंच मूल्य के संदर्भ में पाटित आयातों के कारण कीमत में मंदी के प्रभाव की भी जांच की गई है।

39. उत्पादन लागत से संबंधित आंकड़े यह दर्शाते हैं कि उत्पादन लागत आधार वर्ष से जांच अवधि तक बढ़ती रही है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 22% वृद्धि हुई। बिक्री कीमत से संबंधित आंकड़े यह दर्शाते हैं कि बिक्री कीमत भी आधार वर्ष से जांच अवधि तक बढ़ती रही है। वर्ष 2004-05 में यह 25% बढ़ गई और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान यह 22% बढ़ गई। संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य में वर्ष 2003-04 में 9% वृद्धि हुई, वर्ष 2004-05 में यह घटकर 93% रह गया और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 8% वृद्धि हुई।

40. कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण सूचक है; इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा क्षतिरहित कीमत की गणना की गई और कम कीमत पर बिक्री की सीमा ज्ञात करने के लिए इसकी तुलना पहुंच मूल्य से की गई। घरेलू उत्पादक के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित रूप से विचार करके किया गया है। यह विश्लेषण दर्शाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं

का भारित औसत पहुंच मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित क्षतिरहित कीमत से कम था। कम कीमत पर बिक्री की मार्जिन जांच अवधि के दौरान 5% से कम थी।

च.3 क्षति से संबंधित अन्य मानदंडों की जांच:

41. मात्रा एवं घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच और क्षति से संबंधित प्रमुख सूचकों जैसे आयातों की मात्रा एवं मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग की बिक्री के साथ-साथ मांग के पेटर्न एवं विभिन्न क्षेत्रों में बाजार हिस्से की जांच के पश्चात अन्य आर्थिक मानदंडों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का अस्तित्व सूचित कर सकते हैं, का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

(i) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

(मर्येन्ट बिक्री)

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
लाभप्रदता					
भारित बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	119	124
भारित बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	125	122
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	234	527	-34
कुल लाभ/हानि-घरेलू	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	423	-21
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	54	221	51

(आबद्ध खपत)

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
लाभप्रदता					
उत्पादन लागत-भारित	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	101	119	125
बिक्री कीमत-भारित	रु./किग्रा.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	125	122
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	147	235	71
कुल लाभ/हानि-आबद्ध	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	147	289	94
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	243	130

42. घरेलू उद्योग की मर्चेन्ट बिक्री की लाभप्रदता का विश्लेषण कंपनी के रिकॉर्ड से किया गया है।

43. आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में 2003-04 में 1%, 2004-05 में 19% तथा जांच अवधि के दौरान 24% वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में निवल बिक्री कीमत में 2003-04 में 3%, 2004-05 में 25% तथा जांच अवधि के दौरान 22% वृद्धि हुई। आधार वर्ष से प्रति यूनिट लाभ/हानि, जो 100 सूचीबद्धता 2003-04 में 234, 2004-05 में 527 और जांच अवधि के दौरान -34 था। मर्चेन्ट बिक्री पर कुल लाभ/हानि आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध), 2003-04 में 74, 2004-05 में 423 और जांच अवधि के दौरान -21 था।

44. घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत की लाभप्रदता का विश्लेषण आबद्ध खपत हेतु बाजार कीमत को अंतरण कीमत मानकर किया गया है।

45. आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में 2003-04 में 1%, 2004-05 में 19% और जांच अवधि के दौरान 25% वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में निवल बिक्री कीमत में 2003-04 में 3%, 2004-05 में 26% और जांच अवधि के दौरान 22% वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में प्रति यूनिट लाभ/हानि, जो 100 सूचीबद्ध थी, 2003-04 में 147, 2004-05 में 235 और जांच अवधि में 71 रही। आबद्ध खपत पर कुल लाभ/हानि आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध), 2003-04 में 147, 2004-05 में 289 तथा जांच अवधि में 94 थी।

रोजगार एवं मजदूरी

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
रोजगार					
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	132	132
कर्मचारियों को भुगतान की गई मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	106	115
प्रति एम.टी. मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	108	99

46. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 32% वृद्धि हुई। इसी प्रकार कर्मचारियों को भुगतान की गई मजदूरी में भी 15% वृद्धि हुई। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति यूनिट उत्पादन की मजदूरी घटकर 99% रह गई।

उत्पादकता

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
उत्पादकता					
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	72	75	88

47. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादन घटकर 88% रह गया।

समान सूची

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
औसत सामान सूचियां	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	83	104

48. औसत सामान सूची (आबद्ध बिक्री सहित बिक्री के दिवसों की संख्या हेतु पर्याप्त) दर्शाती है कि यह वर्ष 2002-03 में 60 दिनों के बराबर थी और जांच अवधि के दौरान घटकर 51 दिवस रह गई।

निवेश से आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

(मर्चेन्ट बिक्री)

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
निवल स्थायी परिसंपत्तियां	लाख रुपए	***	***	***	***
नियोजित पूंजी-एनएफए आधार पर	लाख रुपए	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	54	192	62

(आबद्ध खपत)

विवरण	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
निवल स्थायी परिसंपत्तियां	लाख रुपए	***	***	***	***
नियोजित पूंजी-एनएफए आधार पर	लाख रुपए	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	252	127

मर्चेन्ट बिक्री तथा मर्चेन्ट बिक्री सहित आबद्ध बिक्री के मामले में आधार वर्ष से जांच अवधि तक नियोजित पूंजी पर आय (पीबीआईटी) सकारात्मक रही।

(vi) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव:

49. घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है, अतः इस उत्पाद के नकद प्रवाह की वास्तविक सीमा का निर्धारण करना संभव नहीं था।

(vii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

50. संबद्ध देशों से निर्यात कीमतों का मूल्यांकन यह दर्शाता है कि इसमें आधार वर्ष से जांच अवधि तक 9% वृद्धि हुई है। आधार वर्ष से जांच अवधि तक सीमाशुल्क में भी गिरावट आई है। यह 2002-03 में 30% से घटकर जांच अवधि के दौरान 15% रह गया। निर्यात कीमत में कमी तथा सीमाशुल्क में कमी के मिले जुले प्रभाव के कारण संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य भी प्रभावित हुआ।

क्षति मानदंडों से संबंधित निष्कर्ष:

51. संबद्ध वस्तुओं की मांग 2002-03 में घटकर 89% रह गई, यह 2004-05 में 16% तथा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 25% बढ़ गई। मांग में कमी और वृद्धि घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत पर आधारित थी। घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत 2003-04 में घटकर 95.41% रह गई, वर्ष 2004-05 में इसमें 20% तथा आधार वर्ष की तुलना में 2005-06 में 29% वृद्धि हुई। एक उत्पादक, जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन अब नहीं करता, घरेलू उद्योग से संबद्ध वस्तुओं की खरीद कर रहा था। जबकि अन्य उत्पादक आबद्ध खपत के उत्पादन का ही प्राथमिक रूप से उपयोग कर रहा था। वर्ष 2003-04 में मर्चेन्ट बिक्री के रूप में केवल 4 एमटी. की बिक्री हुई जबकि वर्ष 2004-05 तथा जांच अवधि में कोई मर्चेन्ट बिक्री नहीं हुई। कुल बिक्री में बदलाव आबद्ध खपत में बदलाव के कारण ही आया।

52. घरेलू उद्योग की मर्चेन्ट बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान तथा इससे पिछले वर्ष कमी आई। घरेलू उद्योग की कुल बिक्री (मर्चेन्ट बिक्री तथा आबद्ध खपत) वर्ष 2003-04 के दौरान घटकर 94% रह गई; वर्ष 2004-05 में इसमें 17% तथा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 21% वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग द्वारा अपनी क्षमता में 2003-04 में 10% तथा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 21% वृद्धि की गई। क्षमता उपयोग (वर्धित) घटकर 2003-04 में 71%, 2004-05 में 19% तथा जांच अवधि के दौरान 95% रह गया।

53. घरेलू उद्योग मर्चेन्ट बिक्री (कुल बिक्री का बहुत ही कम प्रतिशत) पर लाभ अर्जित कर रहा था। जांच अवधि के दौरान प्रति यूनिट हानि से पहले वर्ष 2004-05 में लाभप्रदता में तेजी से वृद्धि हुई थी। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं के एक पूर्व उत्पादक को स्थिर कीमत पर बिक्री कर रहा था। कुल लाभ/हानि भी यही प्रवृत्ति प्रदर्शित करती है।

54. आबद्ध खपत हेतु घरेलू उद्योग माल का अंतरण लागत पर ही करता रहा है। यदि आबद्ध खपत हेतु बाजार कीमतों को अंतरण कीमत माना जाए, तो माल की लाभप्रदता सकारात्मक रहती है। तथापि, जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता में कमी आई। कुल लाभ यही प्रवृत्ति प्रदर्शित करता है। क्षति अवधि के दौरान मर्चेन्ट बिक्री तथा आबद्ध खपत से आय वही रही; तथापि जांच अवधि के दौरान आय में कमी आई।

अन्य झात कारक:

अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें:

55. जांच अवधि के दौरान केवल चीन जन.गण. से आयात हुआ है। इस प्रकार अन्य स्रोत घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं हैं।

मांग में संकुचन एवं/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

56. संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित करती है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 25% वृद्धि हुई, अतः यह वह संभावित कारक नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

57. संबद्ध वस्तुओं का आयात मुक्त रूप से किया जा सकता है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां नहीं हैं। अतः इस कारक के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई होगी।

प्रौद्योगिकी विकास एवं निर्यात कार्य निष्पादन:

58. किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा प्रौद्योगिकी अथवा प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों को घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के रूप में नहीं उठाया गया है। यह नोट किया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा आधारे वर्ष के दौरान कुछ मात्रा का निर्यात किया गया, जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं किया गया, अतः इस कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता:

59. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि देखी गई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 12% कमी आई। जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की मजदूरी में 15% वृद्धि हुई और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति यूनिट उत्पादन के लिए मजदूरी उतनी ही रही।

कारणात्मक संबंध:

60. कारणात्मक संबंध में मुद्दे के बारे में हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण की जांच की गई है। घरेलू उद्योग को हुई वार्तविक क्षति तथा पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध से संबंधित मुद्दों की विस्तृत जांच की गई थी। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैराग्राफ (V) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

"जैसा कि ऊपर पैराग्राफ (II) तथा (IV) में उल्लेख किया गया है कि पाटन के प्रभाव के माध्यम से यह प्रदर्शित होना चाहिए कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रदर्शन निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत सुसंगत साक्ष्य की जांच पर आधारित होगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों के अलावा अन्य ज्ञात कारकों, जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं, की भी

जांच करेंगे और अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति को पाटित आयातों से जोड़ा नहीं जाना चाहिए। इस संबंध में जो कारक इससे संबंधित हैं, उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा व कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन व उत्पादकता शामिल है।"

61. संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि जो प्रथमतः आबद्ध खपत के कारण हुई थी, से घरेलू उद्योग लाभान्वित हुआ था, जैसा कि क्षमता, आबद्ध खपत तथा औसत माल सूची में कमी से संकेत मिलता है।

62. मर्चेन्ट बिक्री के कारण वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा घटकर 2% हो जाने का कारण इस उत्पाद की मांग में गिरावट आना था और इसके लिए आयातों को कारण नहीं माना जा सकता क्योंकि वर्ष 2003-04 में आयात केवल 16 एमटी थे। तत्पश्चात वर्ष 2004-05 में मर्चेन्ट बिक्री में 4% वृद्धि हुई और जांच अवधि के दौरान यह घटकर 3% रह गई, जबकि संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा इसी अवधि के दौरान 9% से बढ़कर 13% हो गया। तथापि, शुल्क छूट की योजना के अंतर्गत स्वयं घरेलू उद्योग द्वारा वर्ष 2004-05 में कुल आयातों का 52% तथा जांच अवधि में 32% आयात किया गया। वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 के दौरान आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री आय से अधिक था। अतएव मर्चेन्ट बिक्री में गिरावट का कारण आयातों में वृद्धि को नहीं माना जा सकता।

63. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2003-04 में 3% तथा 2004-05 में 25% वृद्धि हुई जबकि इसी अवधि में बिक्री की लागत में क्रमशः 1% तथा 19% वृद्धि हुई। इसके विपरीत आयातों का पहुंच मूल्य 2003-04 में 9% बढ़ गया और आधार अवधि में घटकर 93% रह गया, जो यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि बिक्री कीमत को आयातों के पहुंच मूल्य से बेंचमार्क नहीं किया जा रहा था। वर्ष 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री की लागत में वृद्धि हुई, जबकि इसी अवधि में बिक्री कीमत में गिरावट आई। वर्ष 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयातों के पहुंच मूल्य में हुई वृद्धि फिर यह इंगित करती है कि बिक्री कीमत को आयातों के पहुंच मूल्य से बेंचमार्क नहीं किया गया। प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा एक पूर्व उत्पादक को वस्तुओं की बिक्री स्थिर कीमत पर की जा रही थी।

64. उपर्युक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन तथा बिक्री प्रथमतः आबद्ध खपत की मांग के कारण हुई। मर्चेन्ट बिक्री के हिस्से का आयातों की मात्रा से कोई संबंध ज्ञात नहीं होता। आयातों की मात्रा और इसके पहुंच मूल्य का बिक्री कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। घरेलू उद्योग का लाभप्रदता तथा लाभ आयातों की मात्रा और इसके पहुंच मूल्य से कोई संबंध नहीं दर्शाता।

पाटन सथा क्षति की निरंतरता की संभावना

पाटन की निरंतरता के बारे में घरेलू उद्योग ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया है ।

चीन के उत्पादकों की बेशी क्षमता और निर्यात अभिमुखीकरण

65. यह सूचित किया गया है कि चीन जन.गण. के उत्पादकों द्वारा सृजित क्षमता उनके स्थानीय बाजार की मांग की तुलना में काफी अधिक है । इसके अलावा संबद्ध वस्तुओं के अनेक उत्पादक न केवल घरेलू बाजार में, बल्कि निर्यात बाजार में भी एक-दूसरे से कांटे की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । यह भी बताया गया है कि उत्पादकों द्वारा मेट्रोनिडॉजोल तथा ऐसे अन्य उत्पादों के लिए चीन जन.गण. में, जहां इनकी खपत होती है, सृजित क्षमता उनके स्थानीय बाजार की मांग से बहुत अधिक है । यह सूचित किया गया है कि चीन में क्षमता 5000 एमटी, चीन में उत्पादन 4000 एमटी, चीन में खपत 1500 एमटी, चीन से निर्यात 2500 एमटी और अतिरिक्त अप्रयुक्त क्षमता 1000 एमटी है । भारत में मांग 1526 एमटी है । यह भी सूचित किया गया है कि अपनी अतिरिक्त क्षमता का उपयोग करते हुए चीन के उत्पादक अपना घाटा कम करने की स्थिति में आ जाएंगे । अतः चीन के उत्पादक पाटन में लिप्त हैं ।

पाटन की निरंतरता

66. यह बताया गया है कि इस समय आयात अग्रिम लाइसेंस वर्ग के अंतर्गत किए जा रहे हैं । पाटनरोधी शुल्क अदा किए गए आयात, शुल्क के कारण इस समय संभवतः शून्य है, यद्यपि, आयातों के पहुंच मूल्य (पाटनरोधी शुल्क के बिना) तथा घरेलू उद्योग के बिक्री मूल्य के बीच अंतर बहुत अधिक नहीं है । यह बताया गया है कि ऐसी स्थिति में पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने पर अग्रिम लाइसेंस वर्ग से अन्य आयातों के कारण वस्तुओं का पाटन बहुत बढ़ जाएगा । यह भी बताया गया है कि यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में चीन के निर्यातक तथा उत्पादक लगातार पाटन नहीं करेंगे ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

67. जैसा कि पाटन से संबंधित पिछले खंड में विश्लेषण किया गया है, जांच अधिक के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात पाटित कीमत पर किया जा रहा था । शुल्क वापस ले लिए जाने पर किसी साक्ष्य के अभाव में पाटन जारी रहेगा ।

क्षति की पुनरावृत्ति

68. क्षति की पुनरावृत्ति के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिया है :

घरेलू उद्योग की नाजुक स्थिति

69. यह बताया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार आया। तथापि, कार्य निष्पादन की स्थिति इतनी नाजुक है कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में कार्य निष्पादन में पुनः गिरावट आ जाएगी। आयातों के कारण होने वाली कीमत कटौतियों को देखते हुए घरेलू उद्योग को बिक्री कीमत में कमी करने और मात्रा को कम करने में से एक को चुनना होगा। यदि घरेलू उद्योग कीमत कटौती के स्तर तक अपनी कीमतें कम कर देता है तो यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह, निवेश से आय तथा लाभ में फिर गिरावट आएगी। यदि घरेलू उद्योग कीमतों को बरकरार रखने का निर्णय करता है तो यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग अपनी समस्त विदेशी बिक्री खो बैठेगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि विचाराधीन उत्पाद के ग्राहकों और उत्पादकों की संख्या बहुत सीमित है। सभी ग्राहकों को प्रचलित कीमतों की जानकारी है। उत्पाद के गुणधर्मों में कोई भिन्नता नहीं है। अतः पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने पर घरेलू उद्योग को कीमत में कमी अथवा मात्रा गंवाने के बीच किसी एक का चुनाव करने का दबाव सहना पड़ेगा। पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने पर किसी भी स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचेगी। घरेलू उद्योग की समस्त मर्चेन्ट बिक्री लगभग 300 एमटी है। चीन के प्रत्येक उत्पादक की बेशी अप्रयुक्त क्षमता इस मांग से अधिक है। अतः शुल्क वापस ले लिए जाने का अर्थ होगा कि चीन का प्रत्येक उत्पादक इस पूरी मांग को पूरा करने में सक्षम रहेगा। यह भी बताया गया है कि उत्पादकों द्वारा मेट्रोनिडॉजोल तथा ऐसे अन्य उत्पादों के लिए चीन जन.गण. में, जहां इनकी खपत ढोती है, सृजित क्षमता उनके स्थानीय बाजार की मांग से बहुत अधिक है। यह सूचित किया गया है कि चीन में क्षमता 5000 एमटी, चीन में उत्पादन 4000 एमटी, चीन में खपत 1500 एमटी, चीन से निर्यात 2500 एमटी और अतिरिक्त अप्रयुक्त क्षमता 1000 एमटी है। भारत में मांग 1526 एमटी है। यह भी सूचित किया गया है कि अपनी अतिरिक्त क्षमता का उपयोग करते हुए चीन के उत्पादक अपना घाटा कम करने की स्थिति में आ जाएंगे। अतः चीन के उत्पादक पाटन में लिप्त हैं।

वर्तमान उपायों से आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती

70. संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कीमत कटौती की जा रही है और यदि शुल्क वापस ले लिया जाए तो भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग और भी कीमत कटौती करेगा। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होने की भी बहुत अधिक संभावना है क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा अलाभकारी कीमत प्रभारित किए जाने के बावजूद पाटित आयात और घरेलू उद्योग के उत्पाद की कीमत के बीच का अंतर बहुत अधिक है।

पाटन मार्जन का स्तर

71. यह सूचित किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा की गई गणना, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किया गया है, के अनुसार पाटन मार्जन बहुत अधिक है।

तृतीय देश पाटन

72. चीन के उत्पादकों द्वारा 2 मिथाइल (5) नाइट्रोमिडाजोल का निर्यात विश्व के अनेक देशों को किया जा रहा है। इस संबंध में उपलब्ध सूचना से ज्ञात होता है कि चीन के उत्पादक और निर्यातक 2 मिथाइल (5) नाइट्रोमिडाजोल का पाटन विश्व के अन्य बाजारों में भी कर रहे हैं। अन्य अनेक देशों को जिन कीमतों पर वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है, उससे भी यह स्पष्ट होता है।

73. यह सूचित किया गया है कि शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में इस सामग्री की भरमार हों जाने की संभावना है। अन्य शब्दों में यदि निर्यातकों द्वारा बताई गई कीमत आकर्षक हो तो आयातों के कारण भारतीय बाजार की स्थिति नाजुक हो जाएगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

74. घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन का उपयोग प्रथमतः आबद्ध खपत के लिए किया जाता था। घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान 3% मर्चेन्ट बिक्री के कारण हुई क्षति का कारण संबद्ध वस्तुओं के आयात को नहीं माना जा सकता। उत्पादन, बिक्री, लाभप्रदता तथा लाभ इसके आबद्ध खपत के कारण हैं और ये आयातों से प्रभावित नहीं हुए हैं।

75. यदि शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में आयातों के कारण घरेलू उद्योग की मर्चेन्ट बिक्री प्रभावित होती भी है, तो घरेलू उद्योग का उत्पादन और आबद्ध खपत से संबंधित इसकी लाभप्रदता प्रभावित नहीं होगी। अतः शुल्क वापस ले लिए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना नहीं है।

छ. अंतिम जांच परिणाम

76. उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

77. जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात उनके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर होना पाया गया है। और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर देने की परिणति पाटन की निरंतरता में होगी।

78. यह पाया गया है कि केवल वस्तुओं की मर्चेन्ट बिक्री के कारण हुई क्षति पाटित वस्तुओं के कारण नहीं हुई है। और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रभावित होने की संभावना नहीं है और इसके परिणामस्वरूप क्षति होने की भी संभावना नहीं है।

79. उपर्युक्त के मद्देनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2 एमएनआई, जिसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथासंशोधित) के अध्याय-29 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, के सभी आयातों पर दिनांक 5.2.2002 की अधिसूचना संख्या 9/1/2001-डीजीएडी द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की संस्तुति उचित समझते हैं।

80. इस आदेश के विरुद्ध अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथासंशोधित) के अनुसरण में सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा शुल्क अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th June, 2007

FINAL FINDINGS

(Sunset Review)

Subject : Anti-dumping investigation (Sunset Review) involving import of 2 Methyl (5) Nitro Imidazole—originating in or exported from China PR

No. 15/18/2005-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, (hereinafter referred to as Act.) as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules.);

A. BACKGROUND

2. WHEREAS, having regard to above Rules the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified final findings vide Notification No.9/1/2001-DGAD dated 5.2.2002 recommending imposition of anti-dumping duties on all imports of 2 Methyl (5) Nitro Imidazole (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from China PR. In the original investigation the Preliminary findings were notified by the Designated Authority vide Notification No. 9/1/2001-DGAD dated 3.5.2001. Final findings of the Authority were notified by the Designated Authority vide Notification No. 9/1/2001-DGAD dated 5.2.2002 and the final duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No.30/2002-Customs dated 27.3.2002.

3. The Designated Authority, in terms of section 9A (5) of said Act. received a substantiated application from M/s. Aarti Drugs Ltd., Mumbai requesting for review and continuation of the anti-dumping duties levied on the subject goods, for another five years on the grounds that the dumping had continued in spite of imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from subject country and the domestic industry continued to suffer injury on account of dumping by the subject country. The Designated Authority issued a public notice No. 15/18/2005-DGAD dated 30.6.2006, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping (Sunset Review) investigations, to examine whether the expiry of anti dumping duty would lead to continuation or recurrence of dumping, injury or both.

B. PROCEDURE

4. In these proceedings the procedure described below has been followed:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, alongwith the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.
- ii) Notices were also sent to the domestic industry in India seeking relevant information in accordance with the Rules;
- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iv) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4),
- v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations;
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) No exporter/producer and importer responded to the questionnaires.
- viii) M/s. Aarti Drugs Ltd., Mumbai, being domestic industry, submitted the information/data;
- ix) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) The Authority held a public hearing on 29-5-07 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry. Another opportunity of personal hearing was provided to the domestic industry on 19.6.2007. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from interested parties have been considered by Designated Authority in this findings;
- xi) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request.
- xii) The views expressed by various interested parties in response to the initiation notification and subsequent to the public hearing are discussed in the relevant paragraphs to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in relevant paragraphs.
- xiii) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1st April 2005 to 31st March 2006 However injury analysis have been carried out for the years 2002-03, 2003-04, 2004-05 and the period of investigation.
- xiv) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product involved in the original investigation was 2 Methyl (5) Nitro Imidazole. This being a Sunset review, therefore, the investigation covers the product covered in the original investigation.

6. 2 Methyl (5) Nitro Imidazole also known as 2MNI, is a creamish coloured powder and is used as a Drug Intermediate for production of Metronidazole, Tinidazole, Dimetridazole, Ornidazole, Scenidazole.

7. The product is classified under Customs Tariff heading 2933.39 and at no.2933.39 09 as per Indian Trade Classification. The Customs and ITC HS classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation .

8. The domestic industry also produces 2 Methyl (5) Nitro Imidazole having similar characteristics and specifications. No argument has been extended, by any interested party, on the issue of product under consideration or like article and therefore, the Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry and the product being manufactured and exported from the subject country is like articles as per 2(d) of Anti Dumping Rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY

9. In this case, during POI domestic industry had imported subject goods from China PR. The Authority notes that imports constitute significant portion of total imports in India. It has been contended that imports were made under Duty Exemption Scheme and did not enter into commerce of the country, therefore, applicant cannot be excluded from purview of domestic industry.

10. This issue would be examined in terms of Rule 2(b) of Anti Dumping Rules and Article 4.1(i) of the Anti-Dumping Agreement. As per Anti-Dumping Agreement ‘when producers are related to exporters or importers or are themselves importers of the allegedly dumped product, the term ‘domestic industry’ may be interpreted as referring to the rest of producers’. As per Rule 2(b) of the Rules, ‘ “domestic industry” means the domestic producer as a whole engaged in manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major production of total domestic production of that article except when such producers are related to exporters or importers of the alleged dumped articles or are themselves importers thereof in which case such producer may be deemed not to form part of domestic industry’.

11. In this regard, the Authority notes that M/s Aarti Drugs Ltd., Mumbai had imported subject goods under duty exemption scheme which constitute approximately 32% of the total imports of India. The goods imported under duty exemption scheme necessarily need to be exported after use of imported inputs in the final product and its price impact may be insignificant in the merchant market. The Authority, therefore, holds that the imports made under duty exemption scheme would not disqualify the producer from being considered as domestic industry.

12. In the original investigation the application for anti-dumping investigation was filed by M/s. Aarti Drugs Ltd., Mumbai and M/s Unichem Laboratories Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry. In the present sunset review the information/data has been provided by M/s Aarti Drugs Ltd., Mumbai

INITIATION OF THE REVIEW AND ARGUMENTS RAISED

Views of Applicant Domestic Industry

13. Domestic industry has submitted that despite anti-dumping duty on 2 Methyl (5) Nitro Imidazole, dumping continued from the subject country. ‘Given the volume of imports and level of prices at which the goods have been exported to India in spite of existence of anti-

dumping duty, it is likely that volume of import would further increase in case anti-dumping duties are withdrawn. It is further contended that the imposition of anti dumping duty on subject country have helped the domestic industry to improve its performance, however, the domestic industry has not been able to improve to the extent it should have and thus, there is a great likelihood of dumping and injury in case, duty in force is revoked. Regarding present state of performance, the domestic industry submitted to maintain and increase their production and maintain its sales volume and Capacity utilization. Market share of the domestic industry has declined despite increase in demand and production, resulting in increase in inventory. Profitability of the domestic industry improved after imposition of duty and domestic industry started making marginal profits in the year 2004-05 as compared to earlier significant losses but again declined in the POI. Landing price of imports is significantly below the net sales realization of the domestic industry. Imports are already undercutting the prices of domestic industry to a significant extent, should the present duty be revoked, the extent of price undercutting would further increase. Further, the performance of domestic industry was already adverse during the period under consideration and it is likely that revocation of anti-dumping measure would result in intensified injury to the domestic industry. It has also been submitted that as per understanding of the domestic industry the production capacity in China for the product under consideration is higher than their domestic demand. Should the current measure be allowed to lapse, there is a threat that significant proportion of the unused production capability would be used to flood the Indian market.

Examination by the Authority

14. The Authority takes note of arguments raised by the domestic industry regarding continued injury to the domestic industry. These arguments have been taken into account while analyzing the injury to the domestic industry, threat of recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

E. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN

Dumping Determination: Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Examination of Response to Market Economy Treatment Questionnaire by the Authority

15. The Designated Authority, as per para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules for the purpose of assessing the normal value proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy country.

16. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

17. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. No exporters/producer responded to the Exporter's and Market Economy Treatment (MET) questionnaire. Hence, the presumption of non-market economy remain unrebutted, therefore, the Authority is proceeding treating exporters/producers in China PR as operating in non-market economy.

18. In view of the above, the Authority is unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 for determination of normal value for the Chinese exporters. Therefore, the normal value in respect of all exporters/producers from China PR is determined as per Rules relating to non-market economy as contained in para 7 of Annexure 1 of AD Rules.

19. As per para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the Authority is required to determine normal value on the basis of 'price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.' No data or information was made available by the domestic industry about normal value in market economy third country. Exporters/Producers have also not responded in this case. The Authority, therefore, in absence of any other option, has determined the normal value by resorting to method 'any other reasonable basis'.

E.1 Normal Value for China for Non-cooperating Exporters

20. Under the circumstances, the authority has constructed the normal value by considering the raw material for manufacture of 2 Methyl (5) Nitro Imidazole at the international prices, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit. Based on above information available, the normal value has been calculated USD ***/kg. by considering the average exchange rate during POI of 1USD=Rs.44.41/-

E.2 Export Price for China for Non-cooperating Exporters

21. The domestic industry has submitted that export price is required to be determined after excluding transaction where landed price of the imports is above the benchmark. In a situation where export price appears unreliable, the rules permit construction of export price. In case of non-cooperative exporter, the practice of Authority is to take lowest price reported. Such being the case, in the present case where 63% imports during investigation period have been reported at lower price it would be appropriate to consider only these imports for determination of export price.

22. The Authority notes that significant imports have been made by the domestic industry itself under the duty exemption scheme and it has been noticed that these prices were below the reference price. The contention of the domestic industry that for determination of export price only imports made under duty exemption scheme or imports made below reference price should be taken into account, is not acceptable as no evidence is available that other import transactions are unreliable. The Authority, therefore, has determined the export price on the basis of all import transactions.

23. The export price has been determined on the basis of transaction-wise details provided by IBIS. During POI the CIF value of weighted average export price was Rs.***/kg (US\$***/kg.). After making adjustments on account of inland freight as US\$***, ocean freight as \$ *** and marine insurance as \$ *** the ex-factory export price has been calculated as US\$ *** (1 US\$ = Rs.44.41/- during the POI).

E.3 Dumping Margin

24. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

Dumping Margin

Exporter/Producer	Normal Value USD/kg.	Export Price USD/kg.	Dumping Margin USD/kg.
All exporters from China PR	***	***	*** (31.90%)

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

INJURY DETERMINATION

CONTINUATION OF INJURY

F.1 Views of the Domestic Industry

Views of Domestic industry are summarized below:

25. Imposition of anti-dumping duty has helped the domestic industry to improve its performance. Profitability of the domestic industry improved after imposition of duty and domestic industry started making marginal profits as compared to earlier significant losses. ROI and cash profit also followed the same trend that of profit. On the other hand market share of the domestic industry has declined despite increase in demand and production resulting in increase in inventory and the Capacity utilization is also remained more or less same. Further productivity of the domestic industry declined despite increase in production. Landing price of imports is significantly below the net sales realization of the domestic industry. Thus it is evident that imposition of ADD helped the industry to revive its performance to some extent; but the situation of DI is still dilapidated as it has only started to improve and further protection is required to stabilize its positive growth. Injury to the domestic industry is likely to recur in case present duty in force is revoked. The likely volumes and prices of imports from China subsequent to any repeal of measures would put the domestic industry at further risk.

F.2 Examination by the Authority

26. The Authority has taken note of various arguments raised in regard to injury to the domestic industry. The Authority also notes that anti-dumping duty is in force against China PR. In its final determination in respect of China PR, the Authority has determined that imports from subject country was at dumped prices. Therefore, for the purpose of injury and causal link analysis, the imports from subject country has been treated as dumped imports.

27. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

28. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

(A) **VOLUME EFFECT:** Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

The effects of volume of dumped imports from subject country has been examined as follows:

i) **Import Volumes and share of the subject country:**

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Market share					
In Imports					
Imports as per IBIS					
China	MT	61	16	206	350
Trend	Indexed	100	26	340	574
Other Countries	MT	0	0	0	0
Total Imports	MT	61	16	206	350
Trend	Indexed	100	26	340	574
Market share in Imports					
China	%	100	100	100	100
Other Countries	%	0	0	0	0
Total Imports		100	100	100	100

29. The data provided by DGCIS does not show any imports of 2MNI under the Customs Tariff heading 29333990 during period of investigation and previous years.

30. The transaction-wise details of imports provided by International Business Information Services (IBIS) shows that imports have been effected during POI and previous years. It appears that import transactions under relevant custom heading have not been captured in the data provided by DGCI&S, therefore, the data does not show any imports. In this investigation, transaction-wise data provided by IBIS has been relied upon for analysis. Information provided by IBIS shows that imports from the subject country from base year to POI increased by 474%. There are no import from other countries. Import from china command 100% share in the total import during POI. The Authority notes that the domestic industry has effected imports during POI and previous years. During POI, the imports of M/s Aarti Drugs Ltd. constitute approximately 32% of total imports. In the year 2004-05, it constitute approximately 52% of the total imports. In the year 2002-03, the domestic industry imported 5 MT of the subject goods. The domestic industry had imported the subject goods under duty exemption scheme for export purpose.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Production of the Domestic Industry

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Capacity	MT	1786	1960	1960	2160
Trend	Indexed	100	110	110	121
Capacity Utilization	%	86.20	61.33	77.16	82.27
Trends	Indexed	100	71	90	95
Output					
Production	MT	1540	1202	1512	1777
Trend	Indexed	100	78	98	115

31. The data shows that the capacity of the domestic industry increased by 10% in 2003-04, 2004-05 and 21% during POI as compared to the base year. The production of the domestic industry declined in 2003-04 and rose in 2004-05 and POI. As compared to base year the production rose by 15% during POI. The capacity utilization (after enhancement) declined to 95% during POI as compared to base year.

b) Sales of Domestic Industry

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Natural and Potential Decline in Sales					
Sales - Domestic	MT	111	35	89	68
Trend	Indexed	100	31	80	61
Sales - Exports	MT	40	0	0	0
Total Sales	MT	151	35	89	68
Captive Consumption	MT	1309	1249	1570	1693
Sales including captive	MT	1420	1284	1659	176
Trends	indexed	100	90	117	124

32. The data shows that the company is primarily utilising the production for captive consumption. In 2002-03, 2003-04, 2004-05 and POI the captive consumption was 85.03%,

103.93%, 103.79% and 95.28% of the production respectively. The merchant sales during the same period was 7.22%, 2.87%, 5.90% and 3.83% of the production. The data shows the rising trend of the domestic sales (including captive consumption). It grew by 24% during POI as compared to base year. Data also shows that the captive consumption grew by 29% during POI as compared to base year whereas merchant sales declined to 61% during POI as compared to base year. The data of other producers (provided by the domestic industry) show that primarily other producers were using product for captive consumption. In 2003-04, merchant sales of other producers were only 4 MT whereas in 2004-05 and POI there was no merchant sales.

c) Demand and Market Share (demand calculated by including imports of the domestic industry)

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Demand		2072	1853	2414	2595
Trend	Indexed	100	89	116	125
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Captive Consumption of DI	MT	***	***	***	***
Sales of other producer including captive consumption	MT	***	***	***	***
Total Imports	MT	61	16	206	350
Market Share in demand					
China	%	3	1	9	13
Other Countries	%	0.00	0.00	0.00	0.00
Domestic Industry (merchant sales)	%	***	***	***	***
Domestic Industry (sales including Captive consumption)	%	***	***	***	***
Other Producers including captive	%	***	***	***	***

d) Demand and Market Share (demand calculated by excluding imports of the domestic industry)

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Demand		2067	1853	2306	2483
Trend	Indexed	100	90	112	120
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Captive Consumption of DI	MT	***	***	***	***
Sales of other producer including captive consumption	MT	***	***	***	***
Total Imports	MT	56	16	98	238
Market Share in demand					
China	%	3	1	4	10
Other Countries	%	0.00	0.00	0.00	0.00

Domestic Industry (merchant sales)	%	***	***	***	***
Domestic Industry (sales including Captive consumption)	%	***	***	***	***
Other Producers including captive	%	***	***	***	***

33. The demand has been calculated by addition of domestic sales, captive consumption and all imports. The data indicates that the demand grew by 25% during POI as compared to base year. The market share of subject country increased from 3% in base year to 13% during POI. The share of sales including captive consumption of the domestic industry declined from 69% in base year to 68% during POI. The share of other producers also declined from 29% to 19% during POI. The share of domestic industry (merchant sales) was 5% in 2002-03 and declined to 3% during POI.

34. The demand has also been calculated by addition of domestic sales, captive consumption and all imports excluding imports made by the domestic industry under duty exemption scheme. The data indicates that the demand grew by 20% during POI as compared to base year. The market share of subject country increased from 3% in base year to 10% during POI. The share of sales including captive consumption of the domestic industry increased from 69% in base year to 71% during POI. The share of other producers however, declined from 29% to 19% during POI. The share of domestic industry (merchant sales) was 5% in 2002-03 and declined to 3% during POI.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

35. The impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realisation (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing information of the domestic industry) have been compared with landed value of imports from the subject country. The landed value of imports have been calculated by taking imports excluding imports made by the domestic industry under duty exemption scheme as imports made by domestic industry under duty exemption scheme were not available in the market and had not affected the market price.

a) Price Undercutting

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Price undercutting/ prices suppression					
Export Price	Rs./kg.	136.40	144.12	136.35	167.16
Landed Value-China	Rs./kg	177.73	194.39	165.95	192.49
Net Sales Realisation	Rs./kg	***	***	***	***
Cost of Production	Rs./kg	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./kg	***	***	***	***
Price Undercutting (Range)	%				-(5-15)

b) Price Underselling

(Value in Rs./kg)

Net Sales Realisation	***
Non Injurious Price	***
Landed Value	192.49
Price Underselling	***
Price Underselling (%)	***
Price Underselling range	Less than 5%

36. A comparison for subject goods during the period under investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. The landed value of imports from the subject country was higher than the net sales realization of the domestic industry for the subject goods during the POI. The undercutting during POI was negative.

37. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commission offered by the domestic industry and the Central Excise Duty have been adjusted.

38. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject country.

39. The data on cost of production shows that cost of production has been rising from base year to POI. It increased by 22% during POI as compared to base year. The data on selling price shows that selling price has been rising from base year to POI. It increased by 25% in 2004-05 and 22% in POI as compared to base year. The landed value of subject goods increased by 9% in 2003-04, declined to 93% in 2004-05 and increased by 8% during POI as compared to base year.

40. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the weighted average landed value of the subject goods from subject country is less than the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin is less than 5% during the POI.

F.3 Examination of other Injury Parameters

41. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

i) Profits and Actual and Potential Effects on Cash Flow

(Merchant sale)

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Profitability					
Cost of sales weighted	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	119	124
Selling Price Weighted	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	125	122
Profit/ Loss	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	234	527	-34
Total Profit/ Loss-Domestic	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	423	-21
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trends	Indexed	100	54	221	51

(Captive consumption)

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Profitability					
Cost of Production weighted	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	101	119	125
Selling Price Weighted	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	125	122
Profit/ Loss	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	147	235	71
Total Profit/ Loss-Captive	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	147	289	94
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trends	Indexed	100	142	243	130

42. The profitability of the merchant sales of the domestic industry has been analyzed from the records of the company:

43. The cost of production from base year increased by 1% in 2003-04, 19% in 2004-05 and 24% during POI. The net selling price from base year increased by 3% in 2003-04, 25% in 2004-05 and 22% during POI. The profit/loss per unit from base year indexed 100 was 234 in 2003-04, 527 in 2004-05 and -34 during POI. The total profit/loss on merchant sale was 100 (Indexed) in base year, 74 in 2003-04, 423 in 2004-05 and -21 during POI.

44. The profitability of captive consumption of the domestic industry has been analyzed by taking market price as transfer price for captive consumption.

45. The cost of production from base year increased by 1% in 2003-04, 19% in 2004-05 and 25% during POI. The net selling price from base year increased by 3% in 2003-04, 26% in 2004-05 and 22% during POI. The profit/loss per unit from base year indexed 100 was 147 in 2003-04, 235 in 2004-05 and 71 during POI. The total profit/loss on captive consumption was 100 (Indexed) in base year, 147 in 2003-04, 289 in 2004-05 and 94 during POI.

Employment and Wages

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Employment					
Employee	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	132	132
Wages paid to employees	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	106	115
Wages per MT	Rs. lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	108	99

46. Number of employees increased by 32% during POI as compared to base year. Similarly, wages paid to employees increased by 15%. However, wages per unit of production declined to 99% during POI as compared to base year.

Productivity

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Productivity					
Employees	Nos	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	72	75	88

47. The production per employee declined to 88% during POI as compared to base year.

Inventories

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Average inventories	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	83	104

48. The average inventory (sufficient for number of days sales including captive sales) shows that it was equivalent to 60 days in 2002-03 and declined to 51 days during POI.

Return on Investment and Ability to Raise Capital

(Merchant sales)

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Net Fixed Assets	Rs. Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA Basis	Rs. Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
Trends	Indexed	100	54	192	62

(Captive consumption)

Particulars	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06
Net Fixed Assets	Rs. Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA Basis	Rs. Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
Trends	Indexed	100	150	252	127

Return (PBIT) on capital employed remained positive from base year to POI, in case of merchant sales as well captive sales including merchant sales.

vi) Profits and actual and potential effects on the cash flow

49. The domestic industry is a multi-product company therefore it was not possible to determine the actual magnitude of cash-flow of the product.

vii) Factor affecting prices

50. Evaluation of export prices from subject country shows that it had been increasing from base year to POI by 9%. The customs duty has also been declining from base year to POI. From 30% in 2002-03 it declined to 15% during POI. The combined effect of decreased export price and reduced customs duty consequently impacted the landed value of subject goods.

Conclusion on Injury Parameters

51. The demand of subject goods declined to 89% in 2002-03, grew by 16% in 2004-05 and 25% during POI as compared to base year. The decline and growth in demand was driven by captive consumption of domestic industry. The captive consumption of the domestic industry declined to 95.41% in 2003-04, grew by 20% in 2004-05 and 29% in 2005-06 as compared to base year. One of the producers, no longer producing the subject goods had been procuring the subject goods from the domestic industry. The other producer was primarily utilizing the production of captive consumption. In 2003-04, only 4MT was sold as merchant sales whereas in 2004-05 and POI no merchant sale was made by other producer. The variation of the total sales was on account of variation in the captive consumption only.

52. The merchant sale of the domestic industry declined during POI and preceding years as compared to base year. Total sale (merchant sale and captive consumption) of domestic

industry declined to 94% in 2003-04, grew by 17% in 2004-05 and 21% in POI as compared to base year. The domestic industry enhanced capacity in 2003-04 by 10% and 21% in POI as compared to base year. The capacity utilization (enhanced) declined to 71% in 2003-04, 19% in 2004-05 and 95% during POI.

53. On merchant sales (small percentage of the total sales), the domestic industry was making profit. In 2004-05, there was sharp rise in profitability before making per unit loss in POI. It has been noted that the domestic industry had been selling one of the former producer of subject goods at constant price. The total profit/loss exhibit similar trend.

54. For captive consumption, domestic industry has been transferring goods at cost. In case, for captive consumption market prices are taken as transfer price, then the profitability of goods remain positive. However, there would be decline in profitability during the POI. Total profit would show similar trend. Return on captive employed for merchant sale and captive consumption remain same during injury period, however, there was decline on return during POI.

OTHERS KNOWN FACTORS

Volume and prices of imports from other sources

55. During the POI the imports have taken place only from China PR. Thus other sources are not possible factor causing injury to the domestic industry.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

56. The total demand of the subject goods shows significant growth. It increased by 25% during POI as compared to the base year, therefore, this factor is not possible reason which could have caused injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

57. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Therefore, this factor could not have been reason to cause injury to the domestic industry.

Development of technology and export performance--

58. Technology or technology related issues have not been raised by any interested party as cause of injury to the domestic industry. It is noted that the domestic industry was exporting some quantity during the base year however, during the POI there were no export , therefore, this factor is not causing injury to the domestic industry.

Productivity of the Domestic Industry

59. Productivity of the domestic industry has shown improvement. It has declined to 12% during POI as compared to the base year. Wages to the employees have increased by 15% during POI and wages per unit of production remained same during POI as compared to the base year.

CAUSAL LINK

60. The submissions made by interested parties in respect of the issue of causal link have been examined. A detailed examination was made with regards to the issues pertaining to the material injury to the domestic industry and causal link between the material injury to the domestic industry and dumped imports. Paragraph (v) of Annexure II of the Anti-dumping Rules reads as under:

"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs (ii) and (iv) above, causing injury to the domestic industry. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of relevant evidence before the designated authority. The designated authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry."

61. The growth in demand of subject goods primarily driven by captive consumption had benefited the domestic industry as indicated from increase in capacity, captive consumption and reduction in the average inventory.

62. The decline in market share of the domestic industry on account of merchant sale in 2003-04 to 2% was due to decline of demand of product and cannot be attributed to imports as imports in 2003-04 was only 16 MT. Thereafter the sales of merchant sales increased to 4% in 2004-05 and declined to 3% in POI whereas share of imports from subject country increased to 9% and 13% during the same period. However, 52% of total imports in 2004-05 and 32% in POI was made by the domestic industry itself under the duty exemption scheme. The landed value of imports during 2004-05 and 2005-06 was higher than that of net sales realization of the domestic industry. Therefore, the decline in merchant sale cannot be attributed to the rise of imports.

63. The selling price of the domestic industry increased by 3% in 2003-04 and 25% in 2004-05 as compared to base year whereas cost of sales increased by 1% and 19% during the same period. On the other hand the landed value of imports after increasing by 9% in 2003-04 declined to 93% of the base period indicating very clearly that selling price was not being benchmarked with the landed value of imports. During POI, cost of sales increased as compared to 2004-05 whereas selling price declined during the same period. The landed value of imports increased during POI as compared to 2004-05 again indicating that selling price was not being benchmarked with the landed value of imports. The Authority has also observed that domestic industry was selling goods to one of earlier producer at a constant price.

64. The foregoing analysis shows that the production and sales of the subject goods was primarily driven by the demand of captive consumption. The share of merchant sale indicated no relationship with the quantity of imports. The selling price remained unaffected with the volume of imports and its landed value. The profitability and profit of the domestic industry shows no relationship with the quantity of its imports and its landed value.

LIKELIHOOD OF RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

The domestic industry has made submissions regarding recurrence of dumping:

Surplus capacity and export orientation of Chinese producers

65. It has been submitted that the capacities created by producers in China PR are significantly higher than demand in their local market. Further, there are several producers of the subject goods who are competing very aggressively with each other not only in the domestic market but in export market as well. It has been submitted that the capacities created by producers in China PR for Metronidazole and such other products where the product under consideration is consumed, are significantly higher than demand in their local market. It has been informed that the capacity in China is 5000 MT, production in China is 4000 MT, consumption in China is 1500MT, export from China is 2500 MT and excess unutilized capacity is 1000 MT. The Indian demand is 1526 MT. It has also been informed that by utilizing their excess capacity the Chinese producers would be in a position to reduce its losses. Therefore, the Chinese producers are resorting to dumping

Continuance of Dumping

66. It has been submitted that imports at present are being made under Advance License category. Anti-dumping duty paid imports are possibly nil at present due to duty itself, even though the difference between landed price of imports (without anti-dumping duty) and selling price of domestic industry is too significant. It has been submitted that in such a situation, on revocation of anti-dumping duty, the dumping of goods would aggravate in the imports other than the advance license category. It has also been submitted that there is no reason to believe that why the exporters and producers from China would not continuously dump on revocation of duty.

Examination by the Authority

67. As analysed in earlier section relating to dumping, the subject goods had been exported during POI at the dumped price. In absence of any evidence to the contrary, the dumping may continue on withdrawal of duty.

Recurrence of Injury

68. Regarding recurrence of injury the domestic industry has made following submissions:

Vulnerability of the Domestic Industry

69. It has been submitted that the performance of the domestic industry improved with the imposition of anti dumping duties. However, the performance is so fragile that revocation of anti dumping duties would once again lead to deterioration in the performance. Given the price undercutting that the imports would cause, the domestic industry would have to choose between reduction in the selling price and loss of volumes. Should the domestic industry reduce the prices to the extent of price undercutting, it is noted that the cash flow, ROI and profits of the domestic industry would once again decline. Should the domestic industry however choose to hold on to the prices, it is evident that the domestic industry would loose entire outside sale. It should be noted that there are very limited customers and producers of the product under consideration. The prevailing prices are known to all the customers. There is no difference in the product in terms of its properties. Therefore, the revocation of anti dumping duties would

lead to pressure on the domestic industry to choose between price reduction and loss of volume. Either way, the revocation of anti dumping duties would lead to injury to the domestic industry. The entire merchant sales of the domestic industry are in the region of 300 MT. Surplus unutilised capacities with each of the Chinese producers are in excess of this available demand. Therefore, any revocation of duty would mean that each of the Chinese producers would be able to cater to this entire demand. It has been submitted that the capacities created by producers in China PR for Metronidazole and such other products where the product under consideration is consumed, are significantly higher than demand in their local market. It has been informed that the capacity in China is 5000 MT, production in China is 4000 MT, consumption in China is 1500MT, export from China is 2500 MT and excess unutilized capacity is 1000 MT. The Indian demand is 1526 MT. It has also been informed that by utilizing their excess capacity the Chinese producers would be in a position to reduce its losses. Therefore, the Chinese producers are resorting to dumping.

Significant price undercutting by imports with current measures

70. Imports from subject country are undercutting price of the domestic industry and would be further undercut prices of domestic industry in the Indian market in case duty is revoked. There is a great likelihood of further injury to the domestic industry from dumped imports as the level of price difference between imported product and domestic industry's product is too significant even when domestic industry is charging unremunerative prices.

Level of dumping margin

71. It has been submitted that the dumping margin is significant as per the calculation made by the domestic industry and submitted to the Designated Authority.

Third Country Dumping

72. The 2 Methyl(5) Nitro Imidazole is being exported by Chinese producers to a number of countries in the world. Information available suggests that producers and exporters from China are dumping 2 Methyl(5) Nitro Imidazole in the other world markets also. This is evident from prices at which goods have been exported to a number of countries.

73. It has been submitted that there is a great possibility that revocation of duty will result in flooding of material in Indian market. In other words, the Indian market is vulnerable to imports, should the price offered by the exporter be lucrative.

Examination by the Authority

74. The domestic industry primarily used the production of subject goods for its captive consumption. The injury to the domestic industry on account of 3% merchant sales during POI cannot be directly attributed to the imports of the subject goods. The production, sales, profitability and profits are mainly on account of its captive consumption and remained unaffected because of imports.

75. Even if the merchant sales of the domestic industry gets affected by imports on withdrawal of duty, the production of the domestic industry and its profitability relating to its captive consumption will not be affected. Therefore, on withdrawal of duty, there is no likelihood of recurrence of injury to the domestic industry.

G. FINAL FINDINGS

76. The Authority after considering the foregoing concludes that:
77. Subject goods originating in or exported from China PR during POI has been found to be exported at below their normal value .And discontinuation of anti-dumping duties on the subject goods from subject country may result continuance of dumping.
78. The injury limited to merchant sale of the goods has not been found to be caused by dumped goods. And discontinuation of anti-dumping duties on the subject goods from subject country is unlikely to affect the performance of domestic industry and may not result in recurrence of injury.
79. In view of the above, the Designated Authority considers it appropriate to recommend discontinuation of the anti-dumping duties recommended earlier vide Notification No9/1/2001-DGAD dated 5.2.2002 and imposed on all imports of 2MNI classified under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 (as amended) originating in or exported from China PR
80. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975(as amended).

R. GOPALAN, Designated Authority